✺ 10 जुलाई 2014 की मुरली से मुख्य पॉईन्टस् ✺

✺ ज्ञान-

1] फ़िदा होना अर्थात् बाप की याद में समा जाना। जब याद में समा जाते हो तो आत्मा रूपी बैटरी चार्ज हो जाती है। आत्मा रूपी बैटरी निराकार बाप से जुटती है, तो बैटरी चार्ज हो जाती है, विकर्म विनाश हो जाते हैं। कमाई जमा हो जाती है।

2] बाप बच्चों को बार-बार समझाते हैं – टाइम वेस्ट नहीं करना चाहिए। जन्म-जन्मान्तर के पापों का बोझा सिर पर है। इस जन्म के पापों आदि की तो स्मृति रहती है। सतयुग में यह बातें होती नहीं।

3] यहाँ बाप कहते हैं तुमको हम यह अविनाशी धन देता हूँ तो तुम फिर औरों को देते रहो। इसमें मनहूस नहीं बनना है। दान नहीं देते हैं तो गोया है नहीं। यह कमाई ऐसी है, इसमें लड़ाई आदि की बात नहीं, इसको कहा जाता है गुप्त। तुम हो इनकागनीटो वारियर्स। 5 विकारों के साथ तुम लड़ते हो। तुमको अननोन वारियर्स कहा जाता है।

4] बाप तुम्हें 84 के चक्र की कहानी समझाते हैं। तुम बच्चों को ही बाप आकर वर्सा देते हैं, यह ड्रामा में नूँध है। अभी कलियुग अन्त तक यह आत्मायें आती रहती हैं, वृद्धि को पाती रहती हैं।

✺ योग-

1] तो बाप को, घर को और सुखधाम को याद करना है। यहाँ तुम जितना-जितना इस अवस्था में बैठते हो, तुम्हारे जन्म-जन्मान्तर के पाप भस्म होते हैं, इसको कहा जाता है योगाग्नि।

2] जैसे रात को आत्मा थक जाती है तो शरीर से अलग हो जाती है, जिसको नींद कहा जाता है। सोता कौन है ? आत्मा के साथ कर्मेन्द्रियाँ भी सो जाती हैं। तो रात को सोते समय भी बाप को याद कर ऐसे-ऐसे ख्यालात करते सो जाना चाहिए। हो सकता है पिछाड़ी में रात-दिन तुम नींद को जीतने वाले बन जाओ। फिर याद में ही रहेंगे, बहुत खुशी रहेगी। 84 के चक्र को फिराते रहेंगे।

✺ धारणा-

1] मीठे बच्चे– तुम्हें अपना टाइम वेस्ट नहीं करना है, अन्दर में नॉलेज का सिमरण करते रहो तो निद्राजीत बन जायेंगे, उबासी आदि नहीं आयेगी।

2] अपना पोतामेल देखना है– किस बात में कमी है ? मैं बरोबर प्रेम का सागर हूँ, कोई ऐसी चलन तो नहीं है जिससे कोई नाराज़ होता हो? अपने ऊपर नज़र रखनी है। ऐसे नहीं समझना है कि बाबा आशीर्वाद करेंगे तो तुम यह बन जायेंगे।

3] यह भी पक्का निश्चय है तो तुम्हारी विजय है। इतने अनेक धर्म जो हैं, उन सबका विनाश होना ही है। जब सतयुगी सूर्यवंशी घराना था तो और दूसरा कोई घराना नहीं था फिर भी ऐसे ही होगा। सारा दिन ऐसे-ऐसे से बातें करते रहो। ज्ञान की प्वाइंट्स अन्दर टपकनी चाहिए, खुशी रहनी चाहिए। बाप में नॉलेज है, वह तुमको अब मिल रही है। उसको धारण करना है, इसमें टाइम वेस्ट नहीं करना चाहिए। रात को भी टाइम मिलता है।

4] हे नींद को जीतने वाले बच्चों, कमाई में कभी भी नींद नहीं करना है। जब ज्ञान में मस्त हो जायेंगे तब तुम्हारी अवस्था वह रहेगी।

✺ सेवा-

1] सर्विस का समाचार आने से बाप जरूर उनको याद करेंगे। बाबा इस तन से सर्विस करते हैं। कभी मुरली थोड़ी चलती है, यूँ तो भल 2-4 रोज़ मुरली न भी आये, तुम्हारे पास प्वाइंटस् रहती हैं। तुमको भी अपनी डायरी चेखनी चाहिए। बैज़ पर भी तुम अच्छा समझा सकते हो। जब आदि सनातन देवी-देवता धर्म था तो और कोई धर्म नहीं था। झाड़ भी जरूर साथ में होना चाहिए। वैराइटी धर्मों का राज़ समझाना होता है।

2] तुम बच्चों को यह भी ध्यान में रखना है कि हमको औरो को भी आप समान बनाना है। प्रजा तो चाहिए ना। नहीं तो राजा कैसे बनेंगे। धन दिये धन ना खुटे..... दूसरे को समझायेंगे, दान देते रहेंगे तो कभी खुटेगा नहीं। नहीं तो जमा नहीं होगा

3] ड्रामा के चक्र को तो तुम बच्चों ने समझा है। यह चक्र भी बहुत बड़ा होना चाहिए। एडवरटाइज़ बड़े-बड़े स्थानों में लगी हुई होगी तो बड़े-बड़े लोग पढ़ेंगे। समझ जायेंगे कि अब बरोबर पुरूषोत्तम संगमयुग है।